११ कविता का कमाल

कविता का सारांश

यह कहानी मदन नाम के एक गरीब लड़के की है, जो अपनी माँ के साथ गाँव में रहता था। उसके पास कमाई का कोई साधन नहीं था और माँ के कहने पर वह पैसा कमाने की सोचकर घर से निकलता है। रास्ते में उसे एक कवि-सम्मेलन की घोषणा सुनाई देती है, जहाँ सबसे अच्छी कविता पर सौ अशर्फियाँ इनाम में देने की बात होती है।

मदन ने कभी कविता नहीं लिखी थी, लेकिन रास्ते में दिखने वाले दृश्यों जैसे – कुत्ते का खोदना, भैंस का पानी पीना, चिड़िया की झाँक-झाँक – से प्रेरित होकर वह कविता की पंक्तियाँ बनाता गया। एक आदमी, जिसका नाम 'धन्नू शाह' था, से उसने रास्ता पूछा और उसी का नाम भी वह अपनी कविता में जोड़ लेता है।

राजमहल में वह अपनी विचित्र कविता सुनाता है। राजा को वह कविता पहली सी लगती है और वह उसे रात को बार-बार दोहराने लगते हैं। संयोग से उसी समय कुछ चोर, जिनमें धन्नू शाह भी था, खजाना चुराने आए थे। राजा की आवाज़ सुनकर उन्हें लगा कि वे पकड़े गए हैं और डर के मारे भागने लगे। अंत में धन्नू शाह ने खुद राजा से दया की भीख माँगी।

राजा को सच्चाई का पता चलता है और वह मदन की कविता की तारीफ करते हैं। उसे इनाम देकर सम्मानित किया जाता है और मदन खुशी-खुशी अपने गाँव लौट आता है।

मुख्य सीख:

रचनात्मकता और सूझ-बूझ से कठिन परिस्थितियों को भी सुलझाया जा सकता है।

नए शब्द

कमाल	:-	चमत्कार, अद्भुत कार्य
परेशान	:-	चिंतित, व्याकुल
सम्मेलन	:-	सभा, बैठक
अवसर	:-	मौका, शुभ समय
चौकन्ना	:-	सतर्क, सावधान
रेंगना	:-	सरकना, फिसलना
बदनसीब	:-	अभागा, दुर्भाग्यशाली
शाबाशी	:-	प्रशंसा, तारीफ
लुटते-लुटते बचा	:-	चोरी से बचा, सुरक्षित रहा
विचित्र	:-	अनोखा, अद्भुत
डर	:-	भय, आशंका

www.onepointlearning.com
One Point Learning

बातचीत के लिए

1. क्या आपको कथा-कहानी सुनना पसंद है? अपने उत्तर का कारण बताइए।

उत्तर: हाँ, मुझे कथा-कहानी सुनना बहुत पसंद है क्योंकि यह मनोरंजक होती हैं और इनमें से कुछ न कुछ सिखने को भी मिलता है।

2. इस लोककथा का सबसे रोचक हिस्सा कौन-सा है और क्यों?

उत्तर: सबसे रोचक हिस्सा तब है जब राजा कविता दोहराता है और चोर डर के मारे पकड़े जाने से पहले ही डरकर गलती मान लेते हैं। यह हिस्सा मजेदार और चौंकाने वाला है।

3. राजा का खजाना मदन की कविता के कारण बचा या राजा के कारण जो कविता जोर-जोर से बोल रहे थे?

उत्तर: राजा का खजाना मदन की कविता और राजा की समझदारी – दोनों के कारण बचा। कविता के कारण चोर डर गए और राजा के बोलने से उन्हें लगा कि वे पकड़े जा चुके हैं।

4. राजमहल में जब मदन ने अपनी कविता सुनाई तो सुनने वाले एक-दूसरे का मुँह क्यों ताकने लगे?

उत्तर: क्योंकि किसी को कविता का अर्थ समझ नहीं आया, पर कोई यह दिखाना नहीं चाहता था कि वह समझ नहीं पाया।

5. आप इस कहानी का कोई और शीर्षक सुझाइए तथा बताइए कि यह शीर्षक क्यों देना चाहते हैं।

उत्तर: शीर्षक: "चतुर मदन और अनोखी कविता"

कारण: क्योंकि यह कहानी एक गरीब लेकिन चतुर लड़के की है जिसने अपनी समझदारी और कल्पना से कविता बनाई और खजाना बचाया।

कविता की बात

उपयुक्त शब्द का चयन कर वाक्य पूरा कीजिए—

1. सुर-सुर का _____ है?

(क) पीयत ☐ (ख) खोजत ☐

(ग) पीबत ☑ (घ) चलत ☐

2. _____ का खोदत है?

(क) सरक-सरक ☐ (ख) हम जानत ☐

(ग) ताक-झाँक ☐ (घ) खुरदुर-खुरदुर ☑

www.onepointlearning.com

One Point Learning

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

3. "आप कौन हैं, साहब?" उत्तर मिला— _____

(क) धनु शाह ☐

(ख) धनु शाह ☐

(ग) धनी शाह ☐

(घ) धन्नु शाह ☑

मिलान कीजिए

1. नीचे दी गई कविता की पंक्तियों को उनके क्रम से मिलाएँ—

हमसे न बच सकत है।	6
खुदर-खुदर का खोदत है?	2
जानत हो हम देखत हैं।	1
सुरुर-सुरुर का पीबत है?	7
ताक-झाँक का खोजत है?	8
हम जानत का ढूँढ़त है!	3
धन्नू शाह, भाई धन्नू शाह!	4
सरक-सरक कहाँ भागत है?	5

2. रिक्त स्थानों में उपयुक्त पंक्ति लिखिए और चित्र बनाकर उनका मिलान कीजिए—

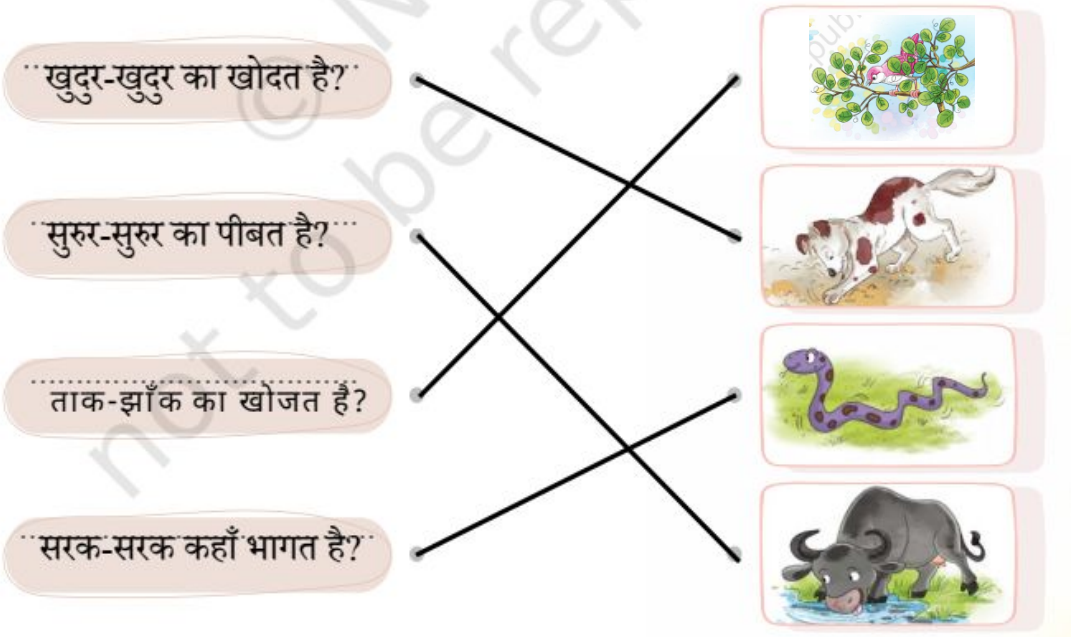

www.onepointlearning.com
© NCERT not to be republished
One Point Learning
Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

सोचिए और लिखिए

1. "अब मैं तुझे और बिठाकर नहीं खिला सकती!" मदन की माँ ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर: क्योंकि वे बहुत गरीब थे और उनके पास कमाई का कोई साधन नहीं था, इसलिए माँ ने परेशान होकर कहा कि अब वह उसे बिना कुछ किए खाना नहीं खिला सकती।

2. जब मदन ने महल का रास्ता पूछा तो धन्नु शाह ने ऐसा क्यों कहा कि वह नहीं तो और कौन जानेगा?

उत्तर: क्योंकि वह स्वयं महल में चोरी की योजना बना रहा था, इसलिए उसे महल का रास्ता अच्छे से पता था।

3. कहानी में मदन की कविता को विचित्र कहा गया है। क्या आपको भी ऐसा ही लगता है? कारण सहित लिखिए।

उत्तर: हाँ, कविता कुछ हद तक विचित्र लगती है क्योंकि इसमें रोजमर्रा की चीजों को देखकर बिना किसी गहराई के कविता की पंक्तियाँ बनाई गई हैं। लेकिन यह कविता सरल, मजेदार और अनोखी भी है।

4. राजा को मदन की कविता कैसी लगी? आपको कैसी लगी?

उत्तर: राजा को वह पहली जैसी लगी, जिससे वह बार-बार उसे दोहराने लगे। मुझे भी यह कविता अनोखी, सरल और मनोरंजक लगी।

समझ और अनुभव

1. "सुर-सुर का पीबत है" पंक्ति में पीने के साथ 'सुर-सुर' शब्द का प्रयोग क्यों किया गया है?

उत्तर: 'सुर-सुर' ध्वनि की नकल है, जो पीते समय निकलती है। यह कविता को मजेदार और सजीव बनाता है।

2. राजदरबार में कवि-सम्मेलन हो रहा है। सबसे अच्छी कविता सुनाने वाले को सौ अशर्फियाँ पुरस्कार में मिलेंगी। सौ अशर्फियों से आप क्या समझते हैं?

उत्तर: सौ अशर्फियाँ यानी सोने के सिक्के, जो पुराने समय में बहुत मूल्यवान माने जाते थे। यह बहुत बड़ा इनाम था।

3. "सरक-सरक कहाँ भागत है" पंक्ति में 'सरक-सरक' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? यहाँ 'सरक-सरक' का ही प्रयोग क्यों किया गया है?

उत्तर: यह शब्द साँप के रेंगने की आवाज को दर्शाता है। 'सरक-सरक' का प्रयोग इसलिए किया गया है ताकि साँप की हरकत स्पष्ट हो और कविता में ध्वन्यात्मकता आ जाए।

www.onepointlearning.com
One Point Learning
Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

4. "अब कोई चारा नहीं। बस राजा साहब से दया की भीख माँगता हूँ।" ऐसा धन्नु शाह ने क्यों सोचा?

उत्तर: क्योंकि उसे लगा कि उसकी चोरी पकड़ी गई है और बचने का कोई और रास्ता नहीं है, इसलिए उसने दया की प्रार्थना की।

अनुमान और कल्पना

1. यदि मदन रोज़गार की खोज में घर से बाहर नहीं निकलता तो क्या होता?

उत्तर: तो उसे कवि-सम्मेलन के बारे में पता न चलता, कविता नहीं बनती और वह न राजा से मिलता, न इनाम मिलता। वह और उसकी माँ गरीबी में ही रहते।

2. अपनी कल्पना और अनुमान से बताइए कि राजमहल कैसा होगा।

उत्तर: राजमहल बहुत बड़ा, सुंदर, ऊँचे गुंबदों और झूमरों से सजा हुआ होगा। वहाँ सोने-चाँदी की सजावट, विशाल दरबार और सुरक्षाकर्मी होंगे।

3. राजा के खजाने में क्या-क्या होता होगा और कितना-कितना होता होगा?

उत्तर: उसमें सोने की अशर्फियाँ, चाँदी के सिक्के, कीमती रत्न, हीरे, मोती, और तिजोरियाँ भरी हुई होंगी। यह सब बड़ी मात्रा में संग्रहित होता होगा।

4. मदन की कविता से प्रसन्न होकर राजा ने उसे विदा करते समय क्या-क्या उपहार दिए होंगे?

उत्तर: राजा ने मदन को प्रसन्न होकर कई उपहार दिए होंगे जैसे – सोने-चाँदी की अशर्फियाँ, सुंदर वस्त्र, सम्मान पत्र, मिठाइयाँ, और कुछ ज़रूरत की चीज़ें। संभवतः उसके गाँव के लिए कोई सहायता भी दी हो।

5. राजा ने मदन को बहुत सारा धन दिया होगा। उसे यह सब कहाँ-कहाँ खर्च करना चाहिए?

क्रम संख्या	खर्च करने हेतु प्रस्तावित सुझाव	आपकी राय यदि कोई हो
1	माँ के लिए कपड़े खरीदना	यह आवश्यक है, माँ का ध्यान रखना चाहिए।
2	कुछ रुपये बैंक में जमा करना	भविष्य के लिए यह एक समझदारी भरा कदम है।
3	घर की मरम्मत और नया सामान खरीदना	ताकि वे अच्छे से और सुरक्षित रह सकें।
4	अपनी पढ़ाई और शिक्षा पर खर्च करना	ताकि वह आगे चलकर और सफल बन सके।
5	जरूरतमंदों की मदद करना	समाज के लिए एक अच्छा उदाहरण बनेगा।

www.onepointlearning.com
One Point Learning

कहो कहानी, सुनो कहानी

कहानियाँ सुनना और सुनाना सभी को पसंद होता है। नीचे दिए गए निर्देशों के अनुसार कक्षा में 'कविता का कमाल' कहानी सुनाइए—

1. स्वयं को मदन की जगह रखकर यह कहानी अपनी मातृभाषा या अपनी पसंद की भाषा में सुनाइए।

उत्तर: "मैं मदन हूँ। मैं अपनी माँ के साथ गाँव में रहता हूँ। हम बहुत गरीब थे। एक दिन माँ ने मुझसे कहा कि अब मैं तुझे बिना काम किए खाना नहीं खिला सकती। मैं कुछ कमाने के इरादे से निकल पड़ा। रास्ते में मुझे पता चला कि राजमहल में कवि-सम्मेलन है। मैंने रास्ते में दिखने वाली चीजों से कविता बनाई – कुत्ते, भैंस, चिड़िया और साँप को देखकर। मेरी कविता अजीब थी लेकिन उसी कविता के कारण चोर पकड़े गए। राजा ने मुझे बहुत इनाम दिया और मेरी ज़िंदगी बदल गई।"

2. मदन आपका मित्र है। मदन ने कुछ समय पहले आपको यह कहानी सुनाई थी। अब आप यह कहानी अपनी कक्षा में सुनाइए।

उत्तर: "मेरे दोस्त मदन ने मुझे एक मजेदार कहानी सुनाई थी। वह बहुत गरीब था, लेकिन एक दिन वह घर से निकला और राजमहल में कविता सुनाकर इनाम जीत लाया। उसकी कविता से चोर डर गए और पकड़े गए। राजा ने उसे सोना-चाँदी दिया। मुझे यह कहानी बहुत प्रेरणादायक लगी – क्योंकि एक साधारण लड़के ने अपनी समझदारी से बड़ा काम किया!"

पाठ से आगे

1. साँप रेंगकर चलते हैं। रेंगकर चलने वाले जीव-जंतुओं की सूची बनाइए और कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

उत्तर: रेंगकर चलने वाले जीव-जंतुओं की सूची:

- साँप
- केंचुआ
- घोंघा
- छिपकली
- गिरगिट
- मगरमच्छ
- बिच्छू

2. राजमहल में कवि-सम्मेलन की सूचना देने के लिए ढिंढोरा पीटा जा रहा था। आजकल ऐसी सूचनाएँ कैसे दी जाती हैं?

उत्तर: आजकल ऐसी सूचनाएँ मोबाइल संदेश, सोशल मीडिया (WhatsApp, Facebook), समाचार पत्र, पोस्टर, विद्यालय की नोटिस बोर्ड और उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से दी जाती हैं।

3. आपके विद्यालय में कवि-सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। आप इसकी सूचना कैसे देंगे?

उत्तर: मैं विद्यालय के उद्घोषणा प्रणाली द्वारा सभी विद्यार्थियों को यह सूचना दूँगा कि "हमारे विद्यालय में शुक्रवार को दोपहर 12 बजे कवि-सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इच्छुक छात्र-छात्राएँ हिंदी शिक्षक से संपर्क करें। सभी विद्यार्थियों से निवेदन है कि समय पर सभा कक्ष में पहुँचें।"

www.onepointlearning.com
One Point Learning
Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

मीडिया और आप

विजेता बनने के बाद मदन को मीडिया के प्रश्नों के उत्तर देने पड़े। अपने को मदन मानते हुए इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

मीडिया: कवि-सम्मेलन में पुरस्कार पाकर आपको कैसा लग रहा है?
मदन: मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा दिन है।

मीडिया: आप इस उपलब्धि का श्रेय किसे देना चाहेंगे?
मदन: मैं इस उपलब्धि का श्रेय अपनी माँ को देना चाहूँगा, जिन्होंने मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

मीडिया: आपको राजदरबार में कविता सुनाकर कैसा लगा?
मदन: शुरुआत में थोड़ी घबराहट थी, लेकिन जब सब ध्यान से सुनने लगे तो मुझे बहुत अच्छा लगा।

मीडिया: आगे आपकी क्या योजनाएँ हैं?
मदन: मैं पढ़ाई जारी रखूँगा और आगे भी अच्छी कविताएँ लिखने की कोशिश करूँगा।

मीडिया: बहुत-बहुत धन्यवाद मदन जी।
मदन: धन्यवाद! यह मेरा सौभाग्य है।

आपकी कविता

रजनी, मदन की कविता को गाते हुए विद्यालय जा रही थी। उसे बहुत आनंद आ रहा था। चलते-चलते अचानक उसने एक पेड़ पर कुछ बंदर दिखाई दिए। वे एक डाल से दूसरी डाल पर कूद रहे थे। जब वह थोड़ा आगे बढ़ी तो उसे एक सियार दिखाई दिया। सियार 'हुआँ-हुआँ' कर रहा था। अब सियार को आधार बनाकर आप कविता को पूरा करने में रजनी की सहायता कीजिए।

उत्तर:

डाल-डाल क्यों कूद रहा?
खों-खों-खों क्यों बोल रहा?
बंदर जी, भाई बंदर जी!
क्या आप स्कूल चल रहे हैं जी?
या जंगल में घूम रहे हैं जी?

www.onepointlearning.com
One Point Learning

भाषा की बात

1. मुहावरे हमेशा एक विशेष अर्थ देते हैं जो उनके शाब्दिक अर्थ से भिन्न होता है। जैसे— 'फूला न समाना' मुहावरे का अर्थ है— अत्यधिक प्रसन्न होना।
वाक्य प्रयोग— विद्यालय की खेल प्रतियोगिता में पुरस्कृत होकर राजू फूला न समा रहा था।
अब आप अपनी लेखन-पुस्तिका में निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखते हुए उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(क) मन में लड्डू फूटना
अर्थ: बहुत अधिक खुशी होना या किसी अच्छे काम की कल्पना कर प्रसन्न हो जाना।
वाक्य: जब पापा ने कहा कि गर्मियों की छुट्टियों में हमें घूमने ले जाएँगे, तो मेरे मन में लड्डू फूटने लगे।

(ख) मुँह ताकना
अर्थ: आश्चर्य से देखना या उत्तर की प्रतीक्षा में किसी की ओर देखना।
वाक्य: जब टीचर ने अचानक कठिन सवाल पूछ लिया, तो सभी बच्चे एक-दूसरे का मुँह ताकने लगे।

2. निम्नलिखित गद्यांश में कहीं-कहीं विराम चिह्नों का प्रयोग हुआ है। इस गद्यांश को उचित ठहराव के साथ पढ़िए।
उत्तर: गद्यांश का उचित ठहराव के साथ पठन:

उसे देखते ही मदन के मुँह से निकल पड़ा,
“ताक-झाँक का खोजत है?”
तीनों पंक्तियों को रटते हुए वह चलता गया।
रटते-रटते उसे अपनी एक और पंक्ति सूझ गई,
“हम जानत का ढूँढ़त है।”

उसे देखते ही मदन के मुँह से निकल पड़ा, “ताक-झाँक का खोजत है?” तीनों पंक्तियों को रटते हुए वह चलता गया। रटते-रटते उसे अपनी एक और पंक्ति सूझ गई, “हम जानत का ढूँढ़त है।”

3. नीचे लिखे वाक्यों में उपयुक्त विराम चिह्न लगाकर वाक्य पूरा कीजिए—

(क) क्या ताक झाँक कर रहे हो - क्या ताक-झाँक कर रहे हो?
(ख) अरे वाह क्या चौका मारा है - अरे वाह! क्या चौका मारा है!
(ग) आइए राजा से मिलवाता हूँ - आइए, राजा से मिलवाता हूँ।
(घ) दादी देखते ही बोली कहाँ जा रहे हो - दादी, देखते ही बोली, "कहाँ जा रहे हो?"

www.onepointlearning.com
One Point Learning
Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

कलाकारी

ढोल, नगाड़ा या अन्य कोई वाद्ययंत्र बजाते हुए बोलिए, "सुनो, सुनो, सुनो! राजदरबार में कवि-सम्मेलन हो रहा है। सबसे अच्छी कविता सुनाने वाले को सौ अशर्फियाँ इनाम में मिलेंगी!" अब इस संवाद को अपनी मातृभाषा में हाव-भाव के साथ बोलिए।

आपकी सूझ-बूझ

उत्तर: ढोल या नगाड़े की आवाज के साथ:

"सुनो! सुनो! सुनो!

राजदरबार में भव्य कवि-सम्मेलन हो रहा है!

जो भी सबसे अच्छी कविता सुनाएगा, उसे मिलेगा सौ अशर्फियों का इनाम!

जल्दी आओ! भाग मत जाओ! सुनने और सुनाने का ये सुनहरा मौका मत गँवाओ!"

आपकी सूझ-बूझ

एक व्यक्ति के घर के बाहर दस मीटर ऊँचा एक खजूर का पेड़ था। एक बंदर उस पर चढ़ने लगा। वह पेड़ की चोटी पर पहुँचना चाहता था। समस्या यह थी कि वह दिन के समय तो 5 मीटर चढ़ जाता था परंतु जब रात होती तो वह 4 मीटर नीचे फिसल जाता था। क्या आप बता सकते हैं कि बंदर पेड़ की चोटी पर पहुँचने में कितने दिन में सफल होगा?

उत्तर:

- हर दिन बंदर 1 मीटर ऊपर चढ़ता है (5 मीटर चढ़ता है – 4 मीटर फिसलता है = 1 मीटर लाभ)।
- पहले 8 दिन में वह 8 मीटर ऊपर पहुँच जाएगा।
- 9वें दिन वह सुबह 5 मीटर चढ़ेगा और सीधे 8 से 13 मीटर की बजाय — वह 8 मीटर से 10 मीटर की चोटी तक पहुँच जाएगा।

इसलिए बंदर 9वें दिन पेड़ की चोटी पर पहुँच जाएगा।

www.onepointlearning.com

One Point Learning

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com